CBSE Class 10 - Hindi B
Sample Paper - 04

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)**
किसी भी जीव के शरीर और मानस के सबसे ऊपर मस्तिष्क है। इस मस्तिष्क का स्वभाव कैसे तय होता है? बुद्धि में होने वाले विचार से। इसका मतलब यह है कि किसी भी व्यक्ति के वंशानुगत स्वभाव को उसकी बुद्धि, उसका विवेक बदल सकता है। इसका मतलब यह है कि हमारे बर्ताव, हमारे कर्म पर हमारा वश है, चाहे दुनिया भर पर न भी हो। हम अपने स्वभाव को बदल सकते हैं, अपनी बुद्धि में बारीक बदलाव लाकर। इसके लिए हमें मस्तिष्क की रूप-रेखा पर एक नज़र दौड़ानी होगी। हमारे मस्तिष्क के दो विभिन्न अंश हैं; चेतन और * अवचेतन। दोनों के सीखने के तरीके भी अलग-अलग प्रयोजनों के लिए। ज़िम्मेदार हैं और दोनों के सीखने के तरीके भी अलग-अलग हैं। मस्तिष्क का चेतन भाग हमें विशिष्ट बनाता है, वही हमारी विशिष्टता है। इसकी वजह से एक व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से अलग होता है। हमारा कुछ अलग-सा स्वभावे, हमारी कुछ अनोखी सृजनात्मक शक्तिये सब मस्तिष्क के इसी हिस्से से संचालित होती हैं, तय होती हैं।
हर व्यक्ति की चेतन रचनात्मकता ही उसकी मनोकामना, उसकी इच्छा और महत्त्वाकांक्षा तय करती है। इसके विपरीत मस्तिष्क का अवचेतन हिस्सा एक ताकतवर प्रतिश्रुति यंत्र जैसा ही है। यह अब तक के रिकॉर्ड किए हुए अनुभव दोहराता रहता है। इसमें रचनात्मकता नहीं होती। यह स्वचालित क्रियाओं और उस सहज स्वभाव को नियंत्रित करता है, जो दुहरा-दुहरा कर हमारी आदत का एक हिस्सा बन चुका है। यह ज़रूरी नहीं है कि अवचेतन दिमाग की आदतें और प्रतिक्रियाएँ हमारी मनोकामनाओं या हमारी पहचान पर आधारित हों। दिमाग का यह हिस्सा । अपने जन्म के थोड़े पहले, माँ के पेट में ही सीखना शुरू कर देता है। जैसे जीवन के चक्रव्यूह' में उतरने से पहले ही अभिमन्यु' पाठ सीखने लगा हो। यहाँ से लेकर सात साल की उम्र तक वे सारे कर्म । और आचरण हमारे दिमाग का यह अवचेतन हिस्सा सीख लेता है, जो भावी जीवन

के लिए मल आधार हैं।

i. प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि हम अपने स्वभाव को कैसे परिवर्तित कर सकते हैं? (2)
ii. अभिमन्यु के उल्लेख के माध्यम से लेखक क्या प्रतिपादित करना चाहता है? (2)
iii. हमारे मस्तिष्क के कौन-कौन से दो अंग हैं तथा उनकी क्या-क्या विशेषताएँ हैं? (2)
iv. मस्तिष्क का अवचेतन हिस्सा क्यों महत्वपूर्ण हैं? (2)
v. प्रस्तुत गद्यांश का तर्क सहित शीर्षक बताइए। (1)
vi. प्रस्तुत गद्यांश में प्रयुक्त वह शब्द लिखिए जिसका पर्याय 'उदर' है। (1)

Section B

2. पद और पदबंध में क्या अंतर है? एक उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। **(1)**

3. नीचे लिखें वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- **(3)**

i. माता जी बाज़ार गईं। बच्चों के लिए खिलौने लाईं। (मिश्र वाक्य)
ii. चाय तैयार हुई। उसने वह प्यालों में भर दी। (सरल वाक्य)
iii. मेरे पास एक खिलौना है। खिलौना बैटरी से चलता है। (मिश्र वाक्य)
iv. राम ने श्याम को पुस्तक दी। वह इतिहास की पुस्तक थी। (संयुक्त वाक्य)

4. I. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए- (2)
   i. रातों रात
   ii. त्रिभुज
   iii. वनगमन
   II. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह को समस्त पद में परिवर्तित करके समास का नाम लिखिए- (2)
   i. जो परिवार के साथ है
   ii. दो पहरों का समाहार
   iii. गाय और बैल

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए- **(4)**

i. यहाँ पर कल एक लड़का और लड़की बैठी थी।
ii. मुझे केवल मात्र अपना अधिकार चाहिए।
iii. इस विद्यालय का परीक्षा परिणाम अच्छी है।
iv. मास्टर जी ने उसकी बड़ी प्रशंसा करी।
v. वह मूर्ख आदमी हो गया है।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए- **(4)**

i. संजय ने जब से कपड़े का व्यापार किया है तब से उसकी _____।
ii. कक्षा में प्रथम आने के लिए रमेश ने _____।
iii. साहिल की कथनी और करनी में फर्क नहीं है उसकी बात तो _____ है।
iv. अमीर होने के बाद श्याम ने अपने बूढ़े माता-पिता को _____ की तरह बाहर निकल फेंका |

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

   i. पुलिस कमिश्नर के नोटिस और कौंसिल के नोटिस में क्या अंतर था? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए।

   ii. लेफ्टिनेंट को ऐसा क्यों लगा कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है? 'कारतूस' पाठ के आधार पर बताइए।

   iii. मानव ने अपनी बुद्धि के बल पर क्या किया है? अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले पाठ के आधार पर बताइए।

   iv. जापान की स्थितियाँ वर्तमान भारत पर भी पूरी तरह लागू होती हैं- पतझर में टूटी पत्तियाँ पाठ के सन्दर्भ में सिद्ध कीजिए।

8. 'बड़े भाई साहब' कहानी के आधार पर लेखक की स्वभावगत विशेषताएं लिखिए। **(5)**

OR

'ततॉंरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर ततॉंरा का चरित्र-चित्रण लिखिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

   i. कवयित्री मीरा ने श्रीकृष्ण को उनकी क्षमताओं का स्मरण क्यों कराया?

   ii. पर्वतीय प्रदेश में स्थित तालाब के सौंदर्य का पर्वत प्रदेश में पावस कविता के आधार पर चित्रण कीजिए।

   iii. साँस थमते समय तथा नब्ज़ जमते समय भी भारतीय सैनिक की क्या इच्छा रहती है?

   iv. मनुष्य को किस प्रकार का सामाजिक जीवन जीना चाहिए? 'मनुष्यता' काव्य के आधार पर लिखिए।

10. 'ऐकै अषिर पीव का पढ़ै सु पंडित होम' पंक्ति को आप क्या अर्थ समझते हैं? प्रेम का एक अक्षर सभी ग्रंथों में किस प्रकार भारी है, अपने जीवन के एक अनुभव के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **(5)**

OR

आत्मत्राण कविता में कवि की प्रार्थना से क्या संदेश मिलता है? अपने शब्दों में लिखिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **(6)**

    i. हरिहर काका ने ठाकुरबारी जैसी संस्था में ही रहना प्रारंभ कर दिया था, जबकि उनका प्रिय स्थान तो उनका अपना घर था; तो क्यों? उनके परिवार के लोगों के व्यवहार के प्रति अपने विचार व्यक्त करके बताइए कि आप उनमें से एक होते तो क्या करते?

    ii. इफ़्फ़न टोपी शुक्ला कहानी का महत्त्वपूर्ण हिस्सा कैसे है ?

Section D

12. **भारत में बाल मज़दूरी की समस्या** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

    - बाल मज़दूरी का अर्थ
    - बाल मज़दूरी के कारण
    - बाल मज़दूरी को दूर करने के उपाय

OR

वन एवं वन्य संपदा विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- वन एवं वन्य संपदा क्या है?
- इनका महत्त्व
- वन एवं वन संपदा पर खतरा

OR

साहित्य का महत्त्व विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- साहित्य का सामर्थ्य
- देश की वास्तविक स्थिति का सजीव चित्रण
- साहित्यकारों द्वारा संस्कृति व सभ्यता को बचाने में योगदान

13. किसी प्रतिष्ठित दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुझाव देते हुए पत्र लिखिए। **(5)**

OR

अपने क्षेत्र के विद्युत विभाग के अधिकारी को विद्युत बिल ठीक कराने के लिए पत्र लिखिए।

14. शीतकाल में विद्यालय का समय प्रातः 7:30 की बजाय 8:00 से 2:30 अपराह्न तक कर दिया गया है। शीतकालीन गणवेश भी 1 नवंबर से पहनना अनिवार्य होगा। इस तरह की सूचना सूचना-पट के लिए लिखिए। **(5)**

OR

शीतकाल में विद्यालय का समय प्रातः 7:30 की बजाय 8:00 से 2:30 अपराह्न तक कर दिया गया है। शीतकालीन गणवेश भी 1 नवंबर से पहनना अनिवार्य होगा। इस तरह की सूचना सूचना-पट के लिए लिखिए।

15. जलभराव की शिकायत लेकर गए नागरिक और नगरपालिका अध्यक्ष के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **(5)**

OR

नौकर और मालिक के मध्य 'वेतन-वृद्धि के लिए हुए संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

16. पुस्तक विक्रेता के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **(5)**

OR

फेस क्रीम विक्रेता के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

CBSE Class 10 - Hindi B
Sample Paper - 04

Answer
Section A

1. i. हम अपने स्वभाव को अपनी बुद्धि में थोड़ा-सा बदलाव लाकर परिवर्तित कर सकते हैं। किसी भी जीव के शरीर और मानस के सबसे ऊपर मस्तिष्क है। इस मस्तिष्क का स्वभाव बुद्धि में होने वाले विचार से तय होता है। किसी भी व्यक्ति के वंशानुगत स्वभाव को उसकी बुद्धि, उसका विवेक बदल सकता है।
   ii. अभिमन्यू के उल्लेख के माध्यम से लेखक ने मनुष्य के अवचेतन दिमाग की आदतों एवं प्रतिक्रियाओं के विषय में बताया है, जिस प्रकार अभिमन्यु जन्म से पूर्व ही माँ के गर्भ से ही कर्म आदि सीख कर आया था, उसी प्रकार मनुष्य जन्म पूर्व से लेकर सात वर्ष की आयु तक सारे कर्म और आचरण सीख लेते हैं और यही कर्म और आचरण भविष्य के मूल आधार होते है |
   iii. हमारे मस्तिष्क के दो विभिन्न अंग चेतन और अवचते हैं। मस्तिष्क का चेतन भाग हमें विशिष्ट बनाता है। इसके कारण ही एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से भिन्न होता है। चेतन मन हमारी सृजनात्मकता आदि का आधार होती है। मस्तिष्क का अवचेतन भाग एक प्रबल प्रतिश्रुति यंत्र जैसा है। यह उस स्वचालित क्रियाओं और उस सहज स्वभाव को नियंत्रित करता है, जो हमारी आदत का हिस्सा बन चुका है।
   iv. मस्तिष्क का अवचेतन हिस्सा एक ताकतवर प्रतिश्रुति यंत्र जैसा ही है। यह अब तक के रिकॉर्ड किए हुए अनुभव दोहराता रहता है। इसमें रचनात्मकता नहीं होती। यह स्वचालित क्रियाओं और उस सहज स्वभाव को नियंत्रित करता है, जो दुहरा-दुहरा कर हमारी आदत का एक हिस्सा बन चुका है।
   v. प्रस्तुत गद्यांश में मस्तिष्क के चेतन एवं अवचेतन भाग का वर्णन करते हुए विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालने का प्रयास किया है। इस प्रकार इस गद्यांश का उचित शीर्षक 'मस्तिष्क के अंश' होना चाहिए।
   vi. प्रस्तुत गद्यांश में 'उदर' के पर्याय रूप में 'पेट' शब्द का प्रयोग किया गया है।

Section B

2. वाक्य में प्रयुक्त किसी स्वतंत्र तथा सार्थक ध्वनि समूह के व्यावहारिक एवं अनुशासित रूप को **पद** तथा वाक्य में व्याकरणिक कार्य करने वाले एक या इससे अधिक पदों के समूह को पदबंध कहते हैं।
   उदाहरण-
   i. पिताजी ने मेरे लिए पुस्तकें भेजी है; उपरोक्त वाक्य में पिताजी पद है।
   ii. **गाँव से पिताजी** ने मेरे लिए पुस्तके भेजी हैं। यह वाक्य में रेखांकित वाक्यांश पदबंध है।
3. i. जब माता जी बाज़ार गईं तब बच्चों के लिए खिलौने लाईं।
   ii. चाय तैयार होने पर उसने वह प्यालों में भर दी।

iii. मेरे पास जो खिलौना है, वह बैटरी से चलता है।
iv. राम ने श्याम को पुस्तक दी और वह इतिहास की पुस्तक थी।

4. I. i. रातों रात = रात ही रात में (अव्ययीभाव समास)
   ii. त्रिभुज = तीन भुजाओं का समाहार (द्विगु समास)
   iii. वनगमन = वन को गमन (तत्पुरुष समास)
   II. i. जो परिवार के साथ है = सपरिवार (बहुब्रीहि समास)
   ii. दो पहरों का समाहार = दोपहर (द्विगु समास)
   iii. गाय और बैल = गाय-बैल (द्वंद्व समास)

5. i. यहाँ पर कल एक लड़का और लड़की बैठे थे।
   ii. मुझे केवल अपना अधिकार चाहिए।
   iii. इस विद्यालय का परीक्षा परिणाम अच्छा है।
   iv. मास्टर जी ने उसकी बड़ी प्रशंसा की।
   v. वह आदमी मूर्ख हो गया है।

6. i. चाँदी हो गई
   ii. एड़ी-चोटी का जोर लगाया
   iii. पत्थर की लकीर
   iv. दूध की मक्खी

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   i. पुलिस कमिश्नर के नोटिस में बताया गया था कि लोग 26 जनवरी को सभा में सम्मिलित न हों क्योंकि इसे कानून का उल्लंघन समझा जाएगा और जो भी इसमें शामिल होगा उसे गिरफ्तार किया जाएगा।
   कौंसिल के नोटिस में यह बताया गया था कि मोनुमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जाएगा तथा स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी। सभी लोगों ने वहां उपस्थित रहना है ।

   ii. लेफ्टिनेंट को टीपू सुल्तान और वजीर अली के किस्से सुनने के बाद ऐसा लगा कि कंपनी के खिलाफ पूरे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ रही है क्योंकि कंपनी की फौज भी इन विद्रोहियों से निपटना में कामयाब नहीं हो पा रही थी ।

   iii. मानव ने अपनी बुद्धि के बल पर एक परिवार समान संसार को अलग-अलग टुकड़ों में बाँट दिया है और बाकी जीवों के अधिकार को छीन कर अपने आप को सर्वाधिक शक्तिशाली बना लिया है। प्रकृति ने संसार के सारे जीवों को एक समान बनाया था , लेकिन मानव ने सब को अलग करके एकजुट होकर रहने की भावना को समाप्त कर दिया है।

iv. जापान के लोग अमेरिका से आगे बढ़ने की होड़ में पागल बने हुए हैं। इसलिए उनके जीवन की लय बिगड़ गई है। वे सहज रूप से चलने, बोलने की अपेक्षा भागते रहते हैं। यही स्थिति इन दिनों भारत की है। भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा है। नगर में रहनेवाले लोग प्रगति की दौड़ में अंधे बने हुए हैं। इसलिए मानसिक रोगों में निरंतर वृद्धि हो रही है। अतः समय रहते भारतीयों को शांत जीवन की तरफ बढ़ने के उपाय करने चाहिए। समाज में हर कोई प्रगति करना चाहता है प्रगति की चाहा उसे इस तरह पागल बना देती है कि वह अपने स्वास्थ्य का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रख पाते हैं, जिसके कारण उन्हें विभिन्न बीमारियों का शिकार होना पड़ता है। अगर इस प्रकार की मीठी चाहत को कम नहीं किया गया तो इंसान की उम्र महज कुछ साल ही रह जाएगी।

8. कहानी के आधार पर लेखक की स्वभावगत विशेषताएं निम्नलिखित है-

i. लेखक को पढ़ाई से अधिक खेलकूद पसंद है। वह मित्रों के साथ सैर-सपाटा, गप्पे मारने, पतंगबाज़ी आदि में अधिक रुचि रखता है।
ii. वह लगातार बैठकर पढ़ाई नहीं कर सकता। उसे एक घंटा लगातार बैठकर पुस्तक पढ़ना बहुत भारी लगता है। अपने बड़े भाई को लगातार पढ़ाई करते देखकर उसे बड़ा अचरज होता है।
iii. उनकी डाँट-फटकार सुनकर वह निश्चय कर लेता है कि वह पढ़ाई का टाइम टेबल बनाएगा। पढ़ाई के लिए टाइम-टेबिल तो बना लेता है, किंतु उसका पालन नहीं कर पाता। खेल के प्रति उसका आकर्षण इतना अधिक है कि वह चाहकर भी अपने आप को रोक नहीं सकता उसे रोक नहीं सकता।
iv. वह पढ़ाई में होशियार है और उसे अपनी सफलता पर घमंड भी होता है ।
v. वह अपने बड़ों का सम्मान करता है। इसी कारण वह चाहकर भी बड़े भाई को असफलता पर ताना नहीं मारता है। वह जानता है कि बड़ों की बातें सुनना तथा उनका आदर करना छोटों का कर्तव्य है।

OR

तताँरा की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

i. आकर्षक व्यक्तित्व- तताँरा व्यक्तित्व अत्यंत आकर्षक था। वह बलिष्ठ, सुंदर, शांत और आकर्षक था। यही कारण है कि उसे देखते ही वामीरो प्रथम मुलाकात में उसकी ओर आकर्षित हो गई।
ii. साहसी एवं परोपकारी- तताँरा अत्यंत साहसी था | इसी कारण वह अद्भुत काम कर सकता था। वह नेक, उदार, सहयोगी और परोपकारी था जो हर किसी की मदद के लिए तैयार रहता था।
iii. सम्मान का पात्र- तताँरा के व्यवहार एवं सहयोग पूर्ण स्वभाव के कारण ही द्वीपवासी उसका सम्मान करते थे। इसी कारण उसे दूसरे गाँव के लोग भी अपने यहाँ निमंत्रित करते थे।
iv. दैवीय शक्ति संपन्न व्यक्ति- तताँरा के पास लकड़ी की तलवार थी जो उसे अद्भुत दैवी शक्ति थी। इस तलवार की मदद से जमीन के दो टुकड़े करने का अद्भुत कार्य कर सका।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

i. कवयित्री मीरा श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त एवं उपासिका थीं। उन्होंने अपने प्रभु के दयालु स्वभाव की कहानियाँ

सुन रखी थीं। मीरा जानती थीं कि उनके प्रभु के लिए उनकी पीड़ा कठिन कार्य नहीं है। उन्होंने तो इस तरह का अनेक कार्य पहले भी किया है। श्रीकृष्ण उनकी पुकार को शीघ्र सुनें, इसलिए मीरा ने श्रीकृष्ण को उनकी क्षमताओं का स्मरण कराया है।

ii. पर्वतीय प्रदेश में पहाड़ की तलहटी में एक विशाल आकार का तालाब है। वहाँ होने वाली वर्षा के जल से यह तालाब परिपूरित रहता है। तालाब के पास ही विशालकाय पर्वत है। इसकी परछाई इसके पानी में उसी तरह दिखाई देती है जैसे साफ़ दर्पण में कोई वस्तु दिखाई देती है।

iii. इस गीत में हमारे देश के सैनिकों की सरहद पर दुश्मनों के साथ परिस्थिति का चित्रण करते हुए बताया गया है कि साँस थमना व नब्ज़ जमना व्यक्ति के जीवन के अंतिम समय का संकेत देते हैं, परंतु बहादुर सैनिक मृत्यु को सामने देखकर भी घबराता नहीं है, बल्कि अन्य सैनिकों व देशवासिओं को शत्रु से लड़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्हें धीरज बँधाते हुए कहता है कि जीत का उत्सव मनाने का समय आने वाला है इसलिए शत्रु का डटकर सामना करो।

iv. मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज के बिना उसके अस्तित्व की कल्पना करना भी असंभव है। दैनिक जीवन में मनुष्यों में परस्पर आदान-प्रदान, संवाद व सहभागिता हमेशा चलती रहती है। इसलिए मनुष्य जीवन में उदारता, सहयोग, भाईचारा व प्रेम का अत्यंत महत्त्व है। हमें सबका सहयोग करना चाहिए। ज़रूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। अपनी समृद्धि व संपन्नता पर घमंड नहीं करना चाहिए। सबके साथ चलने से ही सबका कल्याण होता है। मानव सेवा को ही जीवन का उद्देश्य मानना चाहिए।

10. इस पंक्ति द्वारा कबीदास ने प्रेम की महत्ता को प्रकाशित किया है। ईश्वर को पाने के लिए एक अक्षर प्रेम का अर्थात् ईश्वर को पढ़ लेना ही पर्याप्त है। बड़े-बड़े पोथे या ग्रन्थ पढ़कर कोई पण्डित नहीं बन जाता। केवल परमात्मा का नाम स्मरण करने से ही सच्चा ज्ञानी बना जा सकता है।
प्रेम का ज्ञान एक प्रकार का व्यावहारिक ज्ञान होता है, जो में मनुष्य से जोड़ने में सहायता प्रदान करता है, परन्तु पोथि पढ़ पर अर्जित किया ज्ञान सैद्धांतिक श्रेणी के अंतर्गत आता है। इस बात का तर्क में अपने जीवन में घटित एक घटना के आधार पर स्पष्ट कर रही हूँ, जो निम्नलिखित है-
कॉलेज जा रहा था। एक बुजुर्ग व्यक्ति पर मेरी नज़र पड़ी। वह सड़क पार करने का प्रयास कर रहा था; परन्तु बारम्बार उसे असफलता मिल रही थी। उसके बगल में सूट-बूट धारण किया व्यक्ति आया, और उसका धक्का देते हुए निकल गया। सामने से एक रिक्शावाला आया, बुर्जुग को उठाया और सड़क पार करवाई। इस उदाहरण से स्पष्ट है कि पोथि पढ़कर भी मनुष्य विद्वान या बुद्धिमान नहीं बन सका; जबकि प्रेम के अक्षर पड़ने वाला रिक्शाचालक एक विद्वान के रूप में हमारे समक्ष प्रस्तुत हुआ है।

OR

'आत्मत्राण' कविता के माध्यम से कवि मानव मात्र को संदेश देना चाहते हैं कि हमें ईश्वर से दुःखों से छुटकारा पाने की बजाए उन दुखों को सहन करने की शक्ति माँगनी चाहिए। मनुष्य को कभी भी विषम परिस्थितियों को देखकर घबराना नहीं

चाहिए, बल्कि अगर हानि भी उठानी पड़े तो मन में रोष नहीं करना चाहिए।कवि ईश्वर से संकट के समय भय निवारण करने की शक्ति प्रदान करने को कहते हैं। कविता के माध्यम से कवि आशावादी दृष्टिकोण अपनाने का संदेश तो देते ही हैं साथ ही यह भी सीख देते हैं कि मनुष्य को सुख के क्षणों में भी ईश्वर को नहीं भूलना चाहिए, उसे याद करके उसके समक्ष विनय भाव प्रकट करना चाहिए। उससे निडरता, शक्ति और आस्था का वरदान लेना चाहिए। अगर दुख में कोई सहायक न मिले तो भी मनुष्य को अपना बल-पौरुष नहीं डगमगाना चाहिए तथा ऐसी स्थिति में भी प्रभु पर से विश्वास कम नहीं होना चाहिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

    i. हरिहर काका की स्वयं की कोई संतान नहीं थी और उनकी पत्नी की भी मृत्यु हो गई थी। ऐसी परिस्थिति में उन्होंने अपने भाइयों के परिवार को ही अपना परिवार समझ लिया था और उनके साथ रहने लगे थे।
    शुरू-शुरू में तो हरिहर काका का जीवन शांतिपूर्वक चलता रहा, किंतु कुछ सालों के पश्चात् उनके परिवार के सदस्य उनसे दूरी बनाने लगे। उनके मान-सम्मान में कमी आने लगी। घर का बचा हुआ भोजन ही उन्हें दिया जाता था।
    एक बार घर में स्वादिष्ट पकवान बनें, किंतु हरिहर काका को सूखा भोजन दिया गया। इस घटना से वे इतने दुःखी हुए कि उन्होंने भोजन की थाली पटक दी और घर छोड़कर चले गए।
    उनका परिवार से मोहभंग हो गया, इसलिए उन्हें अपने प्रिय स्थान (घर) को छोड़कर ठाकुरबारी जैसी संस्था में रहना पड़ा। उनके परिवार के लोगों का व्यवहार स्वार्थ से भरा था। वे केवल उनकी पंद्रह बीघे ज़मीन को प्राप्त करना चाहते थे। यदि मैं उनमें से एक होता तो समय निकालकर उनके पास बैठता, उनके सुख-दुःख की बातें सुनता ताकि उन्हें अकेलेपन से मुक्ति मिल पाए।

    ii. इफ्फ़न और टोपी दोनों सहपाठी और बहुत अजीज दोस्त भी हैं। दोनों का व्यक्तित्व और जीवन दोनों पृथक रूप से विकसित हुआ है। दोनों की परंपराएँ एक दूसरे से पूरी तरह भिन्न है, पर इफ्फन टोपी की कहानी का एक अहम हिस्सा है और जब तक वो दोनों साथ रहे वे एक दूसरे की जिंदगी का भी अहम हिस्सा थे। इफ्फन के बिना टोपी की कहानी अधूरी प्रतीत होगी इसलिए वह इस कहानी का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

Section D

12. 'बाल मज़दूरी' से तात्पर्य ऐसी मज़दूरी से है, जिसके अंतर्गत 5 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चे किसी संस्थान में कार्य करते हैं। जिस आयु में उन बच्चों को शिक्षा मिलनी चाहिए, उस आयु में वे किसी दुकान रेस्टोरेंट पटाखे की फैक्टरी, हीरे तराशने की फैक्टरी, शीशे का सामान बनाने वाली फैक्टरी आदि में काम करते हैं।
    भारत जैसे विकासशील देश में बाल मजदूरी के अनेक कारण हैं। अशिक्षित व्यक्ति शिक्षा का महत्त्व न समझ पाने के कारण अपने बच्चों को मज़दूरी करने के लिए भेज देते हैं। जनसंख्या वृद्धि बाल मज़दूरी का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। निर्धन परिवार के सदस्य पेट भरने के लिए छोटे-छोटे बच्चों को काम पर भेज देते हैं।
    भारत में बाल मज़दूरी को गंभीरता से नहीं लिए जाने के कारण इसे प्रोत्साहन मिलता है। देश में कार्य कर रही सरकारी,

गैर-सरकारी और निजी संस्थाओं की इस समस्या के प्रति गंभीरता दिखाई नहीं देती। बाल मज़दूरी की समस्या का समाधान करने के लिए सरकार कड़े कानून बना सकती है। समाज के निर्धन वर्ग को शिक्षा प्रदान करके बाल मज़दूरी को प्रतिबंधित किया जा सकता है। जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण कर भी बाल मज़दूरी को नियंत्रित किया जा सकता है। ऐसी संस्थाओं को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए, जो बाल मज़दूरी का विरोध करती हैं या बाल मज़दूरी करने वाले बच्चों के लिए शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम चलाती हैं।

OR

वन एवं वन्य संपदा

सामान्यतः एक ऐसा विस्तृत भू-भाग जो पेड़-पौधों से आच्छादित हो, 'वन' कहलाता है। वन मनुष्य के लिए प्रकृति का सबसे बड़ा वरदान है। वनों से हमें अनेक लाभ होते हैं। इन से हमें प्राणवायु ऑक्सीजन मिलती है, जो हमारे जीवन का आधार है। इसके अतिरिक्त, वनों से हमें फ़र्नीचर के लिए लकड़ी, फल-फूल, जड़ी-बूटियाँ, औषधियाँ आदि वस्तुएँ प्राप्त होती हैं। वन मृदा अपरदन रोकने व वर्षा करवाने में भी सहायक होते हैं।
वनों का एक लाभ और भी है। इनके कारण ही वन्य-जीवन फलता-फूलता है। वन्य का अर्थ है-वन में उत्पन्न होने वाला। इस प्रकार वन्य-जीवन का तात्पर्य उन जीवों से है जो वन में पैदा होते हैं और वन ही उनका आवास-स्थल बनता है। एक अनुमान के अनुसार, भारत में लगभग 75000 प्रकार की जीव-प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से अधिकांश वनों में पाई जाती हैं। इनमें सिंह, चीता, लोमड़ी, गीदड़, लकड़बग्घा, हिरण, जिराफ, नीलगाय, साँप, मगरमच्छ आदि प्रमुख हैं। यदि वन न हों तो इन सभी जीवों का अस्तित्व ही मिट जाएगा, जबकि मनुष्य के साथ इन जीवों का सह-अस्तित्व आवश्यक है क्योंकि इससे प्रकृति में संतुलन बना रहता है। हालाँकि पिछले कुछ समय से वन एवं वन्य संपदा पर खतरा मँडरा रहा है। वनों से ढके हुए क्षेत्रों में कमी हो रही है, जिससे वन्य-जीवन भी विलुप्त होता जा रहा है। राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार, देश के 33% भू-भाग पर वन होने चाहिए, परंतु इस नीति पर ठीक से अमल नहीं किया जा रहा है। प्रशासन तंत्र को शीघ्र ही इस विषय का संज्ञान लेना चाहिए और वन एवं वन्य संपदा के संरक्षण हेतु उचित कदम उठाने चाहिए।

OR

साहित्य का महत्त्व

साहित्य कमज़ोर एवं शोषितों को उत्साहित करने का कार्य करता है। यह साहित्य ही है, जिसने कई बार हारी हुई लड़ाइयों को भी जीतने में मदद की है। कहा भी गया है कि 'साहित्य समाज कादर्पण' होता है। साहित्य देश की वास्तविक स्थिति का सजीव चित्रण करता है, जिससे प्रभावित होकर समाज के जागरूक लोग सामाजिक बुराइयों को पहचानकर, उनका कारण समझकर तथा उन्हें मिटाने के तरीके ढूंढकर उन्हें समाप्त कर देते हैं। जिस समय भारतीय संस्कृति और सभ्यता को दुष्प्रभावित करने का षड्यंत्र किया जा रहा था, उस समय कबीरदास, तुलसीदास, भूषण, प्रेमचंद, रामधारी सिंह 'दिनकर' आदि साहित्यकारों ने जनता को अपनी रचनाओं के माध्यम से शिक्षित एवं संवेदनशील बनाने काकार्य किया। राष्ट्रीयता एवं मानवीय मूल्यों की रक्षा करने में अनेक साहित्यकारों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। साहित्यकारों ने अपने राष्ट्रीय एवं नैतिक दायित्व को पहचाना तथा उसी के अनुसार कार्य किया। इस प्रकार कह सकते हैं कि साहित्यकार का

सामाजिक उत्तरदायित्व होता है। समाज के हित की दृष्टि से लिखा गया साहित्य ही श्रेष्ठ साहित्य कहा जा सकता है।

13. परीक्षा भवन,
दिल्ली।
दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,
संपादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
दिल्ली।
विषय सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के संदर्भ में।
महोदय,

मैं आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र के माध्यम से सरकार और समाज का ध्यान बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओं की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। आशा है कि आप इसे जनहित में अवश्य प्रकाशित करेंगे। इन दिनों दिल्ली में सड़क दुर्घटनाएँ काफ़ी बढ़ गई हैं। वाहन चालक यातायात के नियमों का खुला उल्लंघन करते हैं। उन्हें रोकने-टोकने वाला कोई नहीं है। दुर्घटनाओं को रोकने के संबंध में मैं निम्नलिखित सुझाव देना चाहता हूँ।

i. प्रातः 8 से 12 बजे तक तथा सायं 5 से 8 बजे तक सभी व्यस्त चौराहों पर यातायात पुलिस के सिपाही उपस्थित रहें। और वे नियम का उल्लंघन करने वालों का चालान करें।
ii. वाहन चलाते हुए मोबाइल से बात करने वालों का तुरंत चालान कर देना चाहिए।
iii. दो बार से अधिक कोई भी नियम भंग करने वाले चालक का ड्राइविंग लाइसेंस ज़ब्त कर लिया जाना चाहिए।
iv. ऐसे वाहन चालकों को पुरस्कृत किया जाना चाहिए, जो अपने वाहन को निर्धारित गति सीमा में चलाते हों तथा किसी प्रकार के नियम भंग न करते हों।
v. जनता से ऐसे वाहन चालकों के वाहन नंबर नोट करके यातायात पुलिस को देने की अपील करनी चाहिए, जो सड़क पर वाहन चलाते समय नियमों का उल्लंघन करते हों।

धन्यवाद।
भवदीय
कार्तिक

OR

परीक्षा भवन,
उत्तर प्रदेश।
दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,
एसडीओ (विद्युत वितरण विभाग),
क्षेत्र संख्या-5,
मुरादाबाद।
विषय बिजली का बिल ठीक करवाने हेतु।
महोदय,

सविनय निवेदन है कि मेरे घर की बिजली की जनवरी - फरवरी 2019 तक की मीटर रीडिंग 8819 दिखाई गई है, जबकि आज के दिन तक हमारा मीटर 8000 तक ही पहुँचा है। इसका अर्थ है कि बिजली की रीडिंग लेने के संबंध में लापरवाही हुई है और किसी कर्मचारी ने बिना मीटर देखे ही अपने तरीके से विद्युत बिल संबंधी प्रपत्र तैयार कर दिया। इससे पहले कभी भी हमारा बिजली का बिल इतना अधिक नहीं आया है। इसके प्रमाण हेतु मैं पिछले तीन बिलों की छायाप्रतियाँ भी संलग्न कर रहा हूँ।
अतः आपसे अनुरोध है कि इस संबंध में शीघ्र ही उचित कार्यवाही की जाए तथा मेरा बिल ठीक करके सही बिल भेजा जाए, ताकि | मैं उसे जमा कर सकें।
सधन्यवाद।
भवदीय
पवन

14.

मैक्सफोर्ट इंटरनेशनल स्कूल, पश्चिम विहार, नई दिल्ली
सूचना
दिनांक 25 अक्टूबर, 20XX
शीतकाल में विद्यालय की समयावधि एवं गणवेश में परिवर्तन से संबंधित
सभी अध्यापकों/अध्यापिकाओं और विद्यार्थियों को यह सूचित किया जाता है कि 1 नवंबर, 20XX से विद्यालय में शीतकालीन समय-सारणी का पालन किया जाएगा, जिसके अंतर्गत विद्यालय की समयावधि 7:30 पूर्वाह्न से 2:00 अपराह्न की बजाय 8:00 पूर्वाह्न से 2:30 अपराह्न होगी। साथ ही, सभी विद्यार्थियों के लिए 1 नवंबर, 20XX से शीतकालीन गणवेश पहनना भी अनिवार्य होगा।
अनिल सिंह कश्यप
प्रधानाचार्य

OR

मैक्सफोर्ट इंटरनेशनल स्कूल, पश्चिम विहार, नई दिल्ली
सूचना

दिनांक 25 अक्टूबर, 20XX

शीतकाल में विद्यालय की समयावधि एवं गणवेश में परिवर्तन से संबंधित

सभी अध्यापकों/अध्यापिकाओं और विद्यार्थियों को यह सूचित किया जाता है कि 1 नवंबर, 20XX से विद्यालय में शीतकालीन समय-सारणी का पालन किया जाएगा, जिसके अंतर्गत विद्यालय की समयावधि 7:30 पूर्वाह्न से 2:00 अपराह्न की बजाय 8:00 पूर्वाह्न से 2:30 अपराह्न होगी। साथ ही, सभी विद्यार्थियों के लिए 1 नवंबर, 20XX से शीतकालीन गणवेश पहनना भी अनिवार्य होगा।

अनिल सिंह कश्यप

प्रधानाचार्य

15. **नागरिक -** सर, हमारे क्षेत्र में 'जलभराव की समस्या बढ़ती जा रही है। अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जिनमें बारिश का पानी भर जाता है और सड़कों पर चलना मुश्किल हो जाता है।

नगरपालिका अध्यक्ष - आपने इस समस्या की शिकायत दर्ज नहीं करवाई।

नागरिक - शिकायत को की गई थी, परंतु अभी कोई कार्यवाही नहीं हुई।

नगरपालिका अध्यक्ष - अच्छा! आप लिखित रूप में एक शिकायती पत्र तैयार करके उसे यहाँ जमा कर दीजिए।

नागरिक - ठीक है सर ! कृपया आप इस संबंध में शीघ्र ही उचित कार्यवाही कीजिए ताकि हमें इस समस्या से छुटकारा मिले।

नगरपालिका अध्यक्ष - मैं, आज ही नगर निगम के कर्मचारियों को भेज कर इस समस्या का समाधान कराता हैं।

नागरिक - धन्यवाद, हमारे क्षेत्र के सभी क्षेत्रवासी आपके आभारी रहेंगे।

OR

नौकर - साहब, आपने पिछले महीने कहा था कि दीपावली पर आप मेरा वेतन बढ़ा देंगे।

मालिक - अरे ! अभी दो महीने पहले ही तो, तुम्हारा वेतन बढ़ाया गया था।

नौकर - हाँ साहब ! लेकिन आप तो जानते ही हैं कि इस महँगाई के ज़माने में इतने कम वेतन में घर चलाना कितना कठिन होता है।

मालिक - जानता हैं, परंतु मैं इतनी जल्दी-जल्दी तुम्हारा वेतन कैसे बढ़ा सकता हूँ? मुझे भी तो अपना घर चलाना होता है।

नौकर - साहब, त्योहार के समय अतिरिक्त खर्चा होता है। इसलिए आपसे निवेदन है कि इस महीने मेरा वेतन बढ़ा दीजिए।

मालिक - हाँ, मैं समझ सकता हूँ। ठीक है इस महीने मैं तुम्हें कुछ अतिरिक्त रुपये दे दूंगा, जिससे तुम्हारा खर्चा चल जाए।

नौकर - बहुत-बहुत धन्यवाद साहब।

16.

"ज्ञान का दीप जलाने वाली
नया पाठ पढ़ाने वाली
हर कीमत में उपलब्ध

इसके लिए कम हैं शब्द"

पवनहंस बुक शॉप

संपर्क करें

पता:- राजनगर पालम, नई दिल्ली

फोन नं. 011252645XX

OR

मनोरम ब्यूटी क्रीम

"खिला-खिला चेहरा झलकता नूर,

ऐसा लगे चली आ रही हूर।"

"""""""दो की खरीदारी पर मनोरम फेस वॉश फ्री"""""""